

GIS DAY CELEBRATION

15th November 2023

Geographical Society of Central Himalaya

www.gsch.co.in

1. Event Name: GIS Day Celebration

2. Date: 15 November 2023

3. Venue: SEMINAR MODE: ON LINE-OFFLINE

Time: 11.30 am Onwards

Jointly Organized By:

Geographical Society of Central Himalaya(www.gsch.ac.in)

& Centre of Excellence for NRDMS in Uttarakhand Soban Singh Jeena University, Almora.

4. Objective:

i) Digital Geography of Uttarakhand using GIS.

ii) Overview of GIS Technology of Past and Present.

iii) GIS and Digital Cartography

5. Invitees Speaker:

i) Prof.J.S.Rawat.,Former National Geospatial Chair Professor (under Geospatial Programme, DST New Delhi)Former Professor and Head.Department of Geography Kumaun University, Nainital.

ii) Prof.D.N.Pant (Retd. Scientist), IIRS Dehradun.

iii) Prof. D.D.Chauniyal (Retd.), Visiting Professor, Doon University,Dehradun.

6. Activities Planned : Webinar

7. Chief Guest:

Prof. Satpal Singh Bisht, Honorable Vice Chancellor

SSJ University, Almora, Uttarakhand.

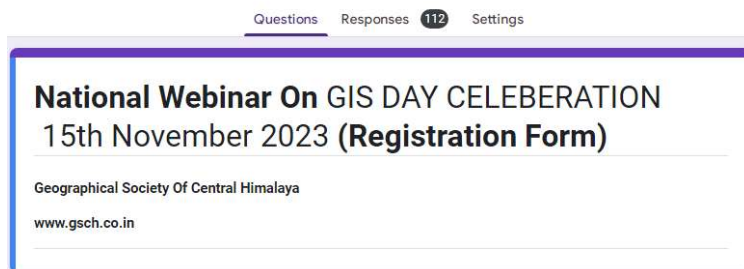
8. Promotional activities before the event:

1-Visit the Website of the Geographical society of Central Himalaya

<https://gsch.co.in/>

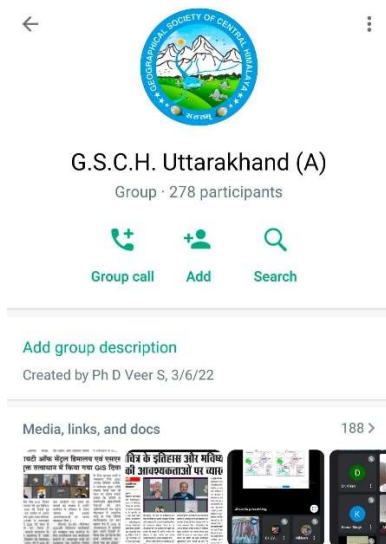
2. All the participants fill the Google form.

<https://forms.gle/yuuK2eYfiKsKy5Ud8>



3. Join WhatsApp group

<https://chat.whatsapp.com/FtwefbOIFmS1pC5jEwoZxS>



4. Join the meeting

<https://meet.google.com/kmw-hcze-yof>

5 <https://www.facebook.com/profile.php?id=100079163217411&mibextid=2JQ9oc>. Facebook link:

2.Brochur:

GIS DAY CELEBRATION 15th November 2023



SEMINAR MODE: ON LINE
Time: 11.30 am Onwards

Jointly Organized By

Geographical Society of Central Himalaya

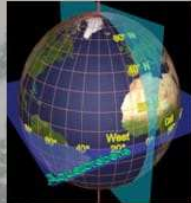
www.gsch.ac.in

&

Centre of Excellence for NRDMS in Uttarakhand

Soban Singh Jeena University, Almora.

Opening Remark By



Prof. Satpal Singh Bisht
Vice Chancellor
SSJ University, Almora

Plenary Speakers



Topic-Digital Geography of Uttarakhand using GIS
Prof. J.S. Rawat
Former National Geospatial Chair Professor
(under Geospatial Programme, DST New Delhi)
Former Professor and Head Department of Geography
Kumaun University, Nainital



Overview of GIS Technology of Past and Present

Prof. D.N. Pant (Retd. Scientist)
IRS Dehradun



GIS and Digital Cartography

Prof. D.D. Chauniyal
Visiting Professor and ICSSR National Fellow
Doon University, Dehradun

Advisory Committee

Prof. J.S. Rawat, Former National Geospatial Chair Professor, Geospatial Programme, D.S.T. New Delhi.

Prof. V.P. Sati, Senior Professor, Department of Geography, Mizoram University, A Central University, Aizawl Mizoram.

Prof. D.D. Chauniya, Former Professor, Department of Geography, HNB Garhwal Central University, Srinagar Garhwal.

Prof. M.S. Negi, Former Head, HNB Garhwal Central University, Srinagar Garhwal.

Prof. B.R. Pant, Head, Department of Geography, Govt. MBPG College Haldwani, Nainital.

Organizing Committee

Patron

Prof. Kamlesh Kumar
Former Professor, Department of Geography, HNB Garhwal University

Dr. P.L. Tamta
Ret. Associate Professor, Department of Geography, TD College Jaunpur, U.P.

Convener

Prof. Anita Rudola
Head, Department of Geography
HNB Garhwal Central University, BGR Campus Pauri Garhwal

Organizing Secretary

Dr. Deepak, Director
Centre of Excellence for NRDMS in Uttarakhand
SSJ University, Almora

Dr. Kamal Singh Bisht
Associate Professor, Department of Geography
D.B.S. College, Dehradun

Dr. Kiran Tripathi
Assistant Professor, Department of Geography
Govt. Degree College Bhupatwala, Haridwar

Dr. Rajesh Bhatt
Assistant Professor, Department of Geography
HKCKB Rajkiya Mahavidyalaya Nagnath Pokhari

Dr. Manju Bhandari Negi
Assistant Professor, Department of Geography
Govt. Degree College Dehradun Shahar, Sudhuvaha

Dr. Naresh Pant
Faculty, Department of Geography, SSJ University, Almora

Technical Support Committee

Dr. K.L. Gupta, Govt. Degree College Pauri, 9454359363
Dr. Mahendra Singh, Dept. Geography, Uttarakhand Open University, Haldwani
Veer Singh, BGR Campus Pauri, 9560914079
Riyaj, BGR Campus Pauri, 9541495071

*Participation Certificate will be issued after completion of event.
Registration as well as feedback form compulsory for participants for E-Certificate.

*If you want a printed certificate, the registration fee for it is ₹ 250.
Account Name : Geographical Society of Central Himalaya
Account Number 41002340916, IFSC code SBIN007893

*Please Join Google Meet by 10 minutes before 11:30 A.M. on 15th November, 2023

Webinar Link: Google Meet link will be sent to the
WhatsApp group 10 minutes before the Webinar.

Google Registration Form Link: <https://forms.gle/yuuK2eYfIKsKy5Ud8>

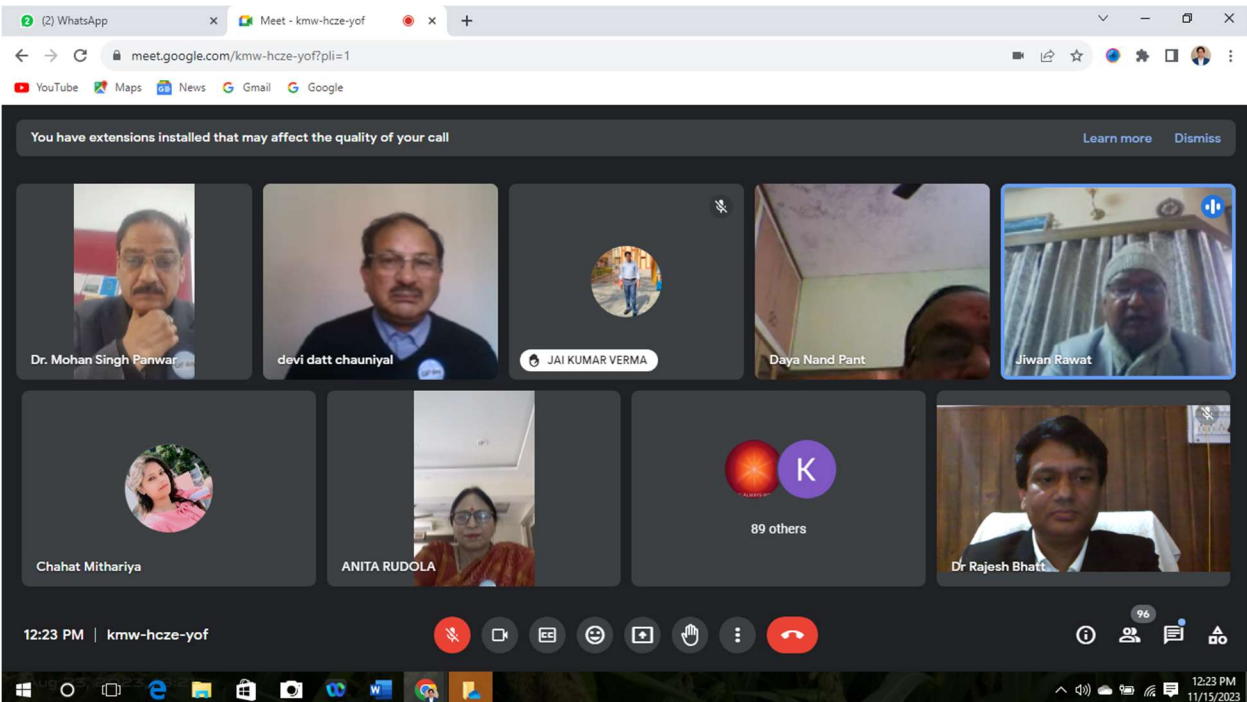
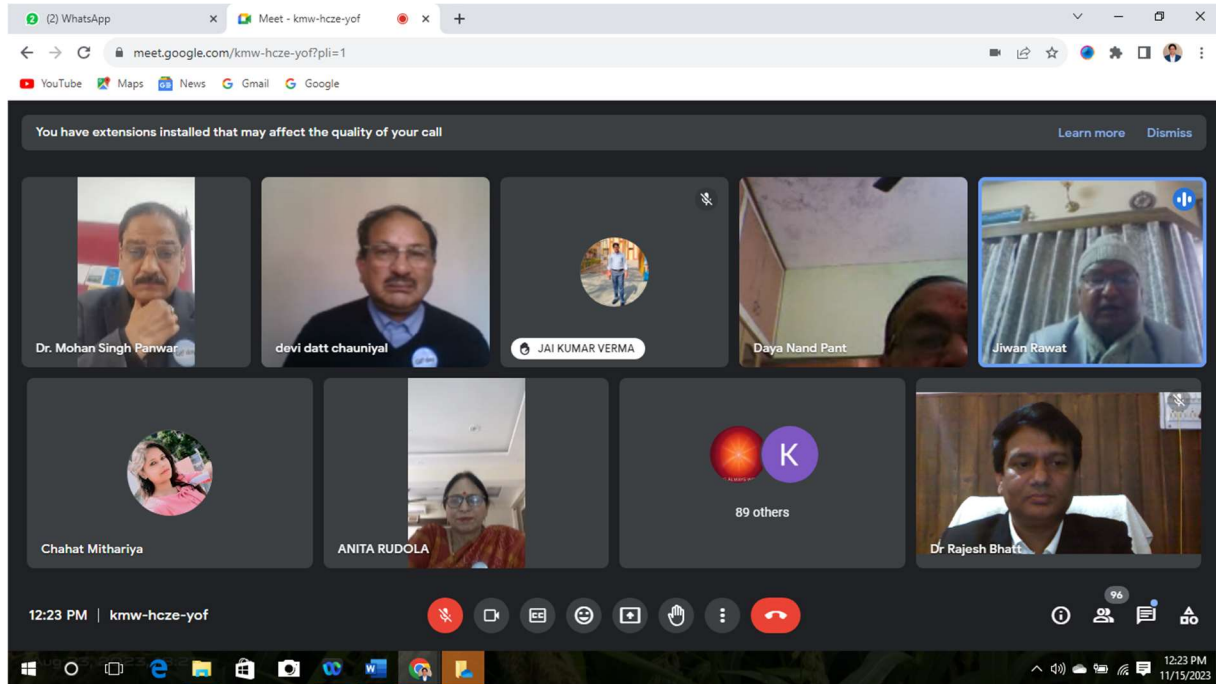
*Enquiry: Dr. Rajesh Bhatt, Vice President GSCH
Email: vpgschuki21@gmail.com

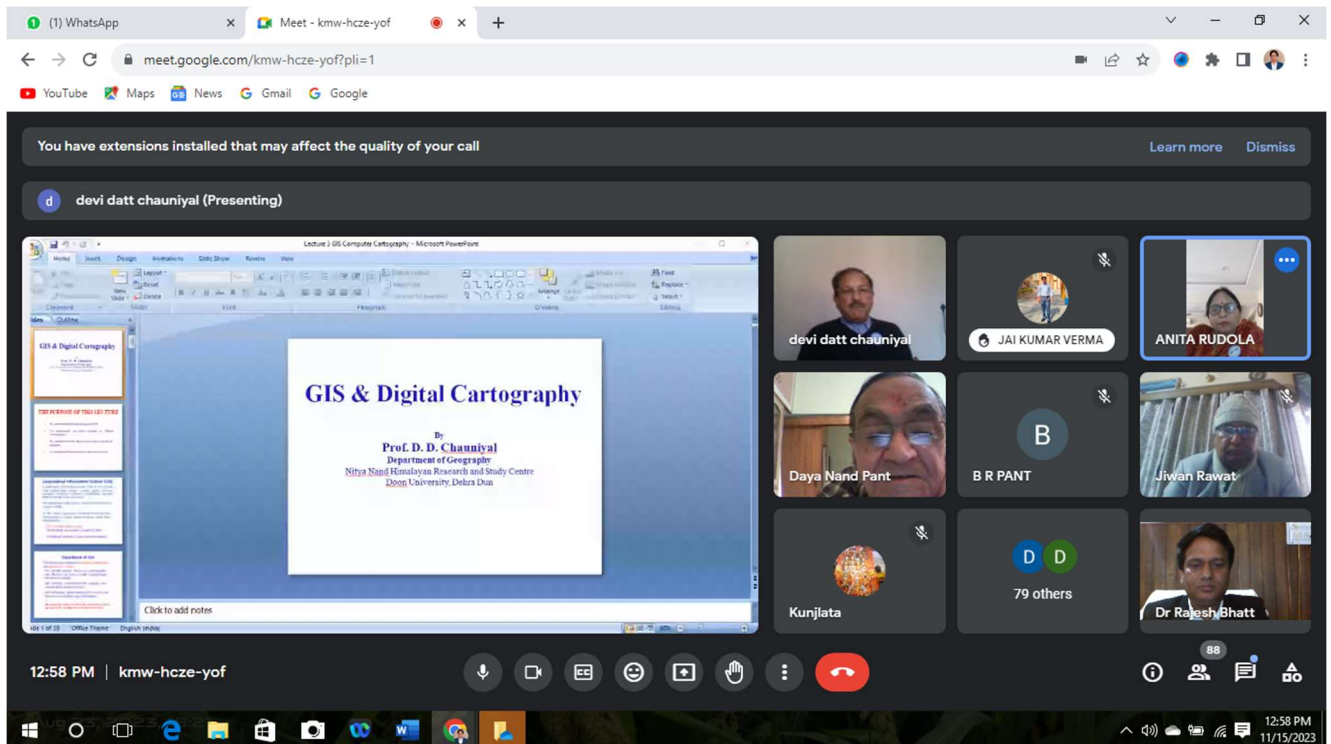
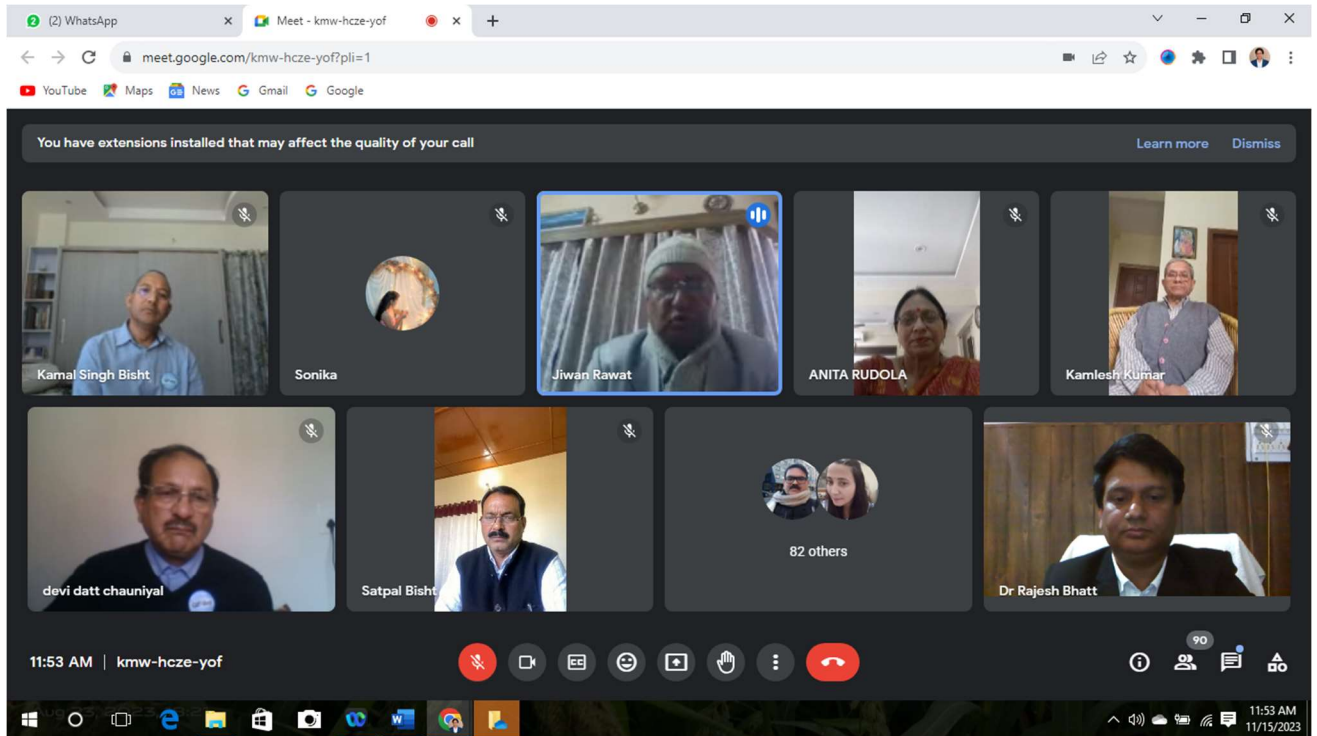
9. Details and Pictures of planned activities:

i). You Tube Link Recording:

<https://youtu.be/XuEhCs0BiyE?si=13fgq6S5Gw5bciH3>

ii). Webinar Screenshot Photo:





iii)Central University HNBGU Pauri Campuus- Celebration GIS Day Photo-





iv) Government College Bhupatwala Hardwar Celebration GIS Day Photo-



v)Government CollegeHKCKB RM Nagnath pokhari Chamoli Celebration GIS Day Photo-

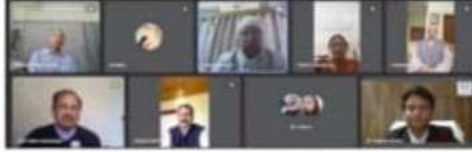


i)

ज्योग्राफिकल सोसायटी ऑफ सेंट्रल हिमालय एवं एसएसजे विश्वविद्यालय अल्मोड़ा के संयुक्त तत्वाधान में किया गया GIS दिवस का आयोजन

खुलन्द खाणी/संजय राजपूत

देहरादून। ज्योग्राफिकल सोसायटी ऑफ सेंट्रल हिमालय एवं एसएसजे विश्वविद्यालय अल्मोड़ा के संयुक्त तत्वाधान से GIS (भौगोलिक सूचना तंत्र) दिवस का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि एसएसजे विश्वविद्यालय अल्मोड़ा के कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट रहे। तथा मुख्य वक्ता प्रोफेसर जे. एस. रावत अल्मोड़ा प्रो. डी.एन. पंत सेवानिवृत्ति वैज्ञानिक आईआईआरएस देहरादून प्रो.डी.डी.चौरीवाल सेवानिवृत्ति देहरादून ने अपना व्याख्यान दिया कुलपति प्रोफेसर



सतपाल सिंह बिष्ट GIS दिवस को शुभकामनाएं देते हुए विभिन्न क्षेत्रों में GIS की बढ़ती हुई उपयोगिता एवं उपयोग पर अपना संबोधन दिया मुख्य वक्ता प्रोफेसर जे.एस. रावत ने उत्तराखंड भूगोल को GIS की मदद से सरलीकरण कर विश्व में भौगोलिक बदलते वातावरण के लिए अति आवश्यक है इससे होने वाले विश्लेषण को समझाया। प्रोफेसर डी.एन. पंत ने GIS को

कम खर्चों एवं समय की बचाव को बचाता है उन्होंने मानचित्र के इतिहास से लेकर भविष्य तक इसकी आवश्यकताओं पर अपना व्याख्यान दिया। प्रोफेसर डी.डी. चौरीवाल GIS और डिजिटल कार्टोग्राफी को समझाया तथा मानचित्र के लिए सरलीकरण तथा मानचित्रण प्रणाली के आधारभूत तत्वों को समझाकर एक मानचित्र निर्माण

के लिए मूलभूत तत्वों पर अपना व्याख्यान दिया GSCH की अध्यक्ष प्रोफेसर अनीता रूडोला ने सर्वप्रथम मुख्य अतिथियों का स्वागत किया तथा समिति के गठन का उद्देश्य बताया उन्होंने बताया कि समिति का गठन सेवानिवृत्ति बुद्धिजीवियों भूगोल वेताओं का ज्ञान नये भूगोलवेताओं तक पहुंचाना तथा पाठ्यक्रम में आधुनिक विषय वस्तु के लिए विश्वविद्यालय महाविद्यालय एवं सरकार को सुझाव देना है, GIS भूगोल की आवश्यकता है इसलिए समिति द्वारा अपने दिवसों में शामिल किया गया डॉ किरण त्रिपाठी द्वारा सभी अतिथियों का धन्यवाद किया गया वह डॉक्टर राजेश ने

सेमिनार का संचालन किया डॉ बी.पी. सती द्वारा मुख्य वक्ताओं की व्याख्यान को सारशित कर सरल भाव में प्रस्तुत किया गया डॉ मंजु बंडारी द्वारा सेमिनार में पूरा सहयोग किया गया। अंत में प्रोफेसर कमलेश कुमार संरक्षक द्वारा मुख्य वक्ताओं एवं प्रतिभागियों के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया गया उन्होंने कहा कि भूगोल की बदलता परिवेश में जिस समय को बचत कर रहा है जिससे कि अब भूगोल की मूल बिंदुओं पर कार्य करने का समय आ गया है इस अवसर पर प्रोफेसर बी. आर.पंत, डॉ दीपक अल्मोड़ा, डॉ नरेश पंत डॉ वीर सिंह प्रो. एम.एस. पावर आदि सम्मिलित रहे।

ii)

मानचित्र के इतिहास और भविष्य तक इसकी आवश्यकताओं पर व्याख्यान

जानकारी
 • जीआईएस को कम खर्चीला एवं समय की बचाव को बचाता है

अमर हिंदुस्तान
 पोखरी। ज्योग्राफिकल सोसायटी ऑफ सेंट्रल हिमालय एवं एसएसजे विश्वविद्यालय अल्मोड़ा के संयुक्त तत्वाधान से भौगोलिक सूचना तंत्र जीआईएस दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि एसएसजे विश्वविद्यालय अल्मोड़ा के कुलपति प्रो सतपाल सिंह बिष्ट रहे। तथा मुख्य वक्ता प्रोफेसर जे.एस. रावत अल्मोड़ा, प्रो डी.एन.पंत सेवानिवृत्ति वैज्ञानिक आईआईआरएस देहरादून प्रो डी.डी.चौरीवाल सेवानिवृत्ति देहरादून ने अपना व्याख्यान दिया कुलपति प्रोफेसर सतपाल सिंह बिष्ट जीआईएस विषय को शुभकामनाएं देते हुए विभिन्न क्षेत्रों में जीआईएस की बढ़ती हुई उपयोगिता एवं उपयोग पर अपना संबोधन दिया मुख्य वक्ता प्रोफेसर जे.एस. रावत ने उत्तराखंड भूगोल को



जीआईएस की मदद से सरलीकरण कर विश्व में भौगोलिक बदलते वातावरण के लिए अति आवश्यक है इससे होने वाले विश्लेषण को समझाया। प्रोफेसर डी.एन. पंत ने जीआईएस को कम खर्चीला एवं समय की बचाव को बचाता है उन्होंने मानचित्र के इतिहास से लेकर भविष्य तक इसकी आवश्यकताओं पर अपना व्याख्यान दिया। प्रोफेसर डी.डी. चौरीवाल जीआईएस और डिजिटल कार्टोग्राफी को समझाया तथा

मानचित्र के लिए सरलीकरण तथा मानचित्रण प्रणाली के आधारभूत तत्वों को समझाकर एक मानचित्र निर्माण के लिए मूलभूत तत्वों पर अपना व्याख्यान दिया जीएससीएच की अध्यक्ष प्रोफेसर अनीता रूडोला ने सर्वप्रथम मुख्य अतिथियों का स्वागत किया तथा समिति के गठन का उद्देश्य बताया उन्होंने बताया कि समिति का गठन सेवानिवृत्ति बुद्धिजीवियों भूगोल वेताओं का ज्ञान नये भूगोलवेताओं तक पहुंचाना तथा पाठ्यक्रम में

आधुनिक विषय वस्तु के लिए विश्वविद्यालय महाविद्यालय एवं सरकार को सुझाव देना है जीआईएस भूगोल की आवश्यकता है इसलिए समिति द्वारा अपने दिवसों में शामिल किया गया डॉ किरण त्रिपाठी द्वारा सभी अतिथियों का धन्यवाद किया गया। सेमिनार का संचालन डा राजेश भट्ट ने किया किया डॉ बी.पी. सती द्वारा मुख्य वक्ताओं की व्याख्यान को सारशित कर सरल भाव में प्रस्तुत किया गया डॉ कमल बिष्ट द्वारा सोसायटी के उद्देश्यों पर चर्चा की गई डॉ मंजु बंडारी द्वारा सेमिनार में पूरा सहयोग किया गया। अंत में प्रोफेसर कमलेश कुमार संरक्षक द्वारा मुख्य वक्ताओं एवं प्रतिभागियों के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया गया उन्होंने कहा कि भूगोल की बदलता परिवेश में जिस समय को बचत कर रहा है जिससे कि अब भूगोल की मूल बिंदुओं पर कार्य करने का समय आ गया है इस अवसर पर प्रोफेसर बी आर पंत, डॉ दीपक अल्मोड़ा, डॉ नरेश पंत डॉ वीर सिंह प्रो एमएस पावर आदि सम्मिलित रहे।

ii) <https://uttarakhandhimalaya.in/geographical-society-of-central-himalayas-organizes-geographical-information-system-day/>

iii) <https://tirthchetna.com/gsch/>

iv) You Tube: <https://youtu.be/XuEhCs0BiyE?si=13fgq6S5Gw5bcIH3>

11. Results –

The programme organized by the Society was both online and offline. Main programme was online which was joined by the faculty members of the geography. All categories of teaching faculty and Ph.D. research scholars of HNB Central Garhwal University Srinagar participated in the online programme. In addition to these, some post graduate students and a few undergraduate students also attended the programme at their colleges. The programme was joined by the faculty members from Haldwani, Almora, Dehradun, Hardwar, Srinagar Garhwal and Pauri etc. Prof. V.P. Sati, a senior Professor of eminence from Mizoram joined the programme. Online programme began with the welcome address by the president of the Society, Prof. Anita Rudola. Dr. Rajesh Bhatt, Vice President of the Society anchored the proceedings of the Seminar. Vice chancellor of SSJ University Almora, Prof. Satpal Singh Bisht delivered an inspiring and meaningful presidential address as per requirement of the GIS Day Celebration. It was followed by the lecture delivered by Prof. J.S. Rawat, Former National Geospatial Chair Professor (under Geospatial Programme, DST New Delhi). Former Professor and Head, Department of Geography, Kumaun University, Nainital, Prof. J.S. Rawat delivered his enlightening speech on the topic, Digital Geography of Uttarakhand, using GIS based on his colossal work on GIS mapping of Uttarakhand. He explained the diversified role of GIS Technology in the spatial analysis of the area. The audience were in a position to realize the indispensability of GIS in mapping as required by the Geographers. Prof. D. N. Pant, Scientist (Retd) IIRS, Dehradun shared various aspects of GIS application, giving suitable inputs from his long experience in this field. Prof. D.D. Chauniyal, Visiting Professor and Senior Fellow, ICSSR delivered his lecture on digital cartography. Prof. Chauniyal covered the whole spectrum of digital cartography with the help of 58 slides. The programme ended with the lucid and the appropriate concluding remarks by Professor V.P. Sati, Senior Professor, Department of Geography, Mizoram (Central) University, Aizawl, who very aptly summarised the speeches of the key speakers. Secretary of the Society, Dr. Kiran Tripathi thanked all the guests, prominent speakers and the participants on this occasion. Although post graduate students of geography are familiar with the GIS vocabulary, yet they experienced a diversified exposure to the application of GIS technology. The audience appear to be convinced in the indispensability of GIS tool in the acquisition of spatial data and analysis mapping in the solution of regional problems.

(Prof. Anita Rudola)

President,

Geographical Society of Central Himalaya &

HOD, Geography,

BGR Campus Pauri, HNB Garhwal (Central) University, Srinagar, Uttarakhand.